



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 146]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 30, 2005/ज्येष्ठ 9, 1927

No. 146]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 30, 2005/JYASTHA 9, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 30 मई, 2005

सं. 14 (आर.ई.-2005)/2004—2009

फा. सं. 01/94/180/009/हैंडबुक/एम 06/पीसी-I.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार 31 मार्च, 2005 को अद्यतन प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) 2004—2009 में, एतद्वारा, निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

1. पैरा 5.3.2 संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

“लाइसेंस धारक आयातों के पूरा होने की तारीख से छः महीनों के भीतर क्षेत्राधिकार प्राप्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारी से एक प्रमाण पत्र सम्बंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा जोकि लाइसेंस धारक अथवा उसके सहायक विनिर्माता (विनिर्माताओं) विक्रेता (विक्रेताओं) की फैक्टरी/परिसरों पर पूंजीगत माल को काम में लाए जाने की पुष्टि करता हो।”

तथापि, जो लाइसेंसधारक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों और सेवा प्रदायकों के पास पंजीकृत नहीं है, वे या तो क्षेत्राधिकार प्राप्त उत्पाद शुल्क प्राधिकारी से अथवा एक स्वतंत्र सनदी अभियन्ता से प्राप्त प्रमाण पत्र दे सकता है जिसमें लाइसेंस धारक/सह विनिर्माता के परिसरों पर चल और अचल पूंजीगत माल लगाए जाने की पुष्टि की गई हो।”

2. पैरा 5.19 (ग) का पहला वाक्य संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

“सभी ई पी सी जी लाइसेंसों के लिए, विगत ब्लाक के अंत में जिसमें लाइसेंस धारक ने आवेदन किया हो (वास्तविक अथवा संशोधित जैसा भी मामला हो) लाइसेंसधारक ब्लॉकवार निर्यात दायित्व को पूरा करे।”

3. पैरा 5.19 (घ) संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

“ऐसे मामलों में, जहाँ ईपीसीजी लाइसेंस की शेष वास्तविक निर्यात दायित्व अवधि (और बढ़ाई गई निर्यात दायित्व अवधि नहीं) पुनः निर्धारण के लिए आवेदन की तारीख को 2 वर्ष से कम है, और अनिवार्य (मूल अथवा संशोधित, जैसा भी मामला हो) ब्लाकवार निर्यात दायित्व पूरा कर लिया है। वहाँ निर्यात दायित्व, लाइसेंस जारी करने की तारीख को बचाए गए शुल्क के दो गुने पर पुनः निर्धारित किया जाएगा।

4. पैरा 6.21.1 (घ) संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

“निर्यातोनमुख यूनितें उप संविदा और विनिमय के लिए प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 4क.2 के अनुसार यथा लागू अपशिष्ट के लिए पात्र होंगी।”

5. “इसके अतिरिक्त-----” शब्दों से शुरू पैरा 6.27.2 के दूसरे उप पैरा की संख्या बदल कर 6.27.3 कर दी जाएगी।

6. “उद्गम का प्रमाण-पत्र (गैर वरीयता) जारी” करने के लिए प्राधिकृत एजेंसियों की सूची” से सम्बंधित परिशिष्ट 4ग में निम्नलिखित एजेंसी जोड़ी जाती है:

आन्ध्रा प्रदेश

5. फर्मास्यूटिकल एक्सपोर्ट प्रमोशन कांऊंसिल,

101, अदित्य ट्रेड सैन्टर अमीरपेट

हैदराबाद-500038

दूरभाष सं. 91 40 23735462/66

फैक्स सं. 91 40 23635464

ई.मेल: info@pharmexcil.com

7. अन्तिम उप पैरा 4.16 संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

“यदि बैंक गारण्टी/विधिक वचनबद्धता निष्क्रीत कर दी गई है तो लाइसेंसधारक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमों के तहत निर्धारित जॉब वर्क अधिनियमों के अनुसार वास्तविक प्रयोक्ता शर्त के तहत किसी विनिर्माता से शुल्क मुक्त संसाधित निवेश प्राप्त कर सकता है।”

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

के. टी. चाको, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 30th May, 2005

No. 14 (RE-2005)/2004—2009

F. No. 01/94/180/009/Handbook/AM 06/PC. I.—In exercise of powers conferred under Paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy 2004—2009, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in Handbook of Procedures (Vol. I) 2004—2009 updated as on 31st March, 2005.

1. Para 5.3.2 shall be amended to read as under:

"The licence holder shall produce to the concerned licensing authority a certificate from the jurisdictional Central Excise authority confirming installation of Capital goods at the factory/premises of the licence holder or his supporting manufacturer(s) vendor(s) within six months from the date of completion of imports.

However, licence holders who are not registered with Central Excise Authorities and service providers can give a certificate either from the jurisdictional excise authority or an independent Chartered Engineer confirming installation of movable and immovable capital goods at the premises of the licence holder/supporting manufacturer."

2. The first sentence of Para 5.19 (c) shall be amended to read as under:

"For all the EPCG licences, the licence holder should have fulfilled the mandated (original or amended, as the case may be) block wise export obligation at the end of the previous block in which the application is made".

3. Para 5.19(d) shall be amended to read as under:

"In cases where the remaining original export obligation period (and not the extended export obligation period) of the EPCG licence is less than two years on

the date of application for refixation, and the mandated (original or amended, as the case may be) block-wise export obligation has been fulfilled, the export obligation would be refixed at two times the duty saved on the date of issuance of licence.

4. Para 6.21.1 (d) shall be amended to read as Under:
"EOUs shall be eligible for wastage as applicable as per para 4A.2 of Hand Book for sub-contracting and against exchange."
5. The second sub Para of Para 6.27.2 beginning with words "In addition to this -- ----" shall be re-numbered as para 6.27.3.
6. The following agency is added in Appendix 4 C pertaining to the "List of Agencies authorised to issue Certificate of Origin (Non Preferential)":
ANDHRA PRADESH

5. Pharmaceutical Export Promotion council,
101, Aditya Trade Center, Ameerpet,
Hyderabad - 500038
Tel. No. 91 40 23735462/66
Fax No. 91 40 23635464
E.mail: info@pharmexcil.com
7. Last sub para Para 4.16 shall be amended as under:
"In case Bank Guarantee/LUT has been redeemed, the licensee can get the duty free inputs processed from any manufacturer under actual user condition as per job work regulations prescribed under the Central Excise Rules".

These issues in Public interest.

K. T. CHACKO, Director General of Foreign Trade and Ex-officio Addl. Secy.